प्रश्नकोश

1. '18 वर्ष की आयु में स्नातक, 20 वर्ष की आयु में प्रोफेसर तथा सुधारक के सह संपादक, 25 वर्ष की आयु में सार्वजनिक सभा और प्रांतीय सम्मेलन के मंत्री, 29 वर्ष की आयु में राष्ट्रीय कांग्रेस के मंत्री, 31 वर्ष की आयु में महत्वपूर्ण रॉयल कमीशन के समक्ष अग्रणी प्रवाह, 34 वर्ष की आयु में प्रांतीय विधायक, 36 वर्ष की आयु में इम्पीरियल विधायक, 39 वर्ष की आयु में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष..एक देश भक्त, जिसे महात्मा गांधी ने स्वयं अपना गुरु माना है।'' इन शब्दों में एक जीवनीकार ने वर्णन किया है—

(a) पंडित मदन मोहन मालवीय का

Scanned with OKEN Scanner

(b) महादेव गोविंद रानाडे का
(c) गोपाल कृष्ण गोखले का
(d) बाल गंगाधर तिलक का

I.A.S. (Pre) 1997

उत्तर–(c)

गोपाल कृष्ण गोखले का जन्म 9 मई, 1866 को रत्नागिरि (महाराष्ट्र) के एक ब्राह्मण परिवार में हुआ। 1884 ई. में बी.ए. पास करने के बाद (18 वर्ष में) वह रानाडे द्वारा स्थापित दक्कन शिक्षा सभा (Daccan Education Society) में सम्मिलित हो गए। उन्होंने 20 वर्ष तक इस सभा की सेवा भिन्न-भिन्न रूपों में की अर्थात विद्यालय के मुख्य अध्यापक, फर्ग्यूसन कॉलेज पूना के प्राध्यापक के रूप में और फिर प्रिंसिपल के रूप में। पहली बार 1889 ई. में इलाहाबाद कांग्रेस अधिवेशन के मंच से राजनीति में भाग लिया, 1897 ई. में उन्हें और वाचा को भारतीय व्यय के लिए नियुक्त वेल्बी आयोग के सम्मुख साक्ष्य देने को कहा गया। वर्ष 1902 में वह बंबई में संविधान परिषद के लिए और कालांतर में Imperial Legislative Council के लिए चुने गए। अपने राजनैतिक दर्शन के वह सच्चे उदारवादी थे। वह समभाव और मृदु न्यायप्रियता में विश्वास करते थे। उन्हें पूर्ण विश्वास था कि देश का पुनरुद्धार राजनैतिक उत्तेजना के बवंडरों में नहीं हो सकता। वे साध्य और साधन दोनों की पवित्रता में विश्वास करते थे। इन्हीं कारणों से महात्मा गांधी उनसे प्रभावित हुए और उनके राजनैतिक शिष्य बन गए।

2. गोपाल कृष्ण गोखले ने कांग्रेस के लिए अधिवेशन में अध्यक्षता की?

(a) 1902 (b) 1905
(c) 1906 (d) 1909

U.P. Lower Sub. (Pre) 2003
U.P. Lower Sub. (Pre) 2004

उत्तर–(b)

गोपाल कृष्ण गोखले ने कांग्रेस के बनारस अधिवेशन (1905) की अध्यक्षता की।

3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1905 के बनारस अधिवेशन का अध्यक्ष कौन था?

(a) सुरेंद्रनाथ बनर्जी (b) फिरोजशाह मेहता
(c) गोपाल कृष्ण गोखले (d) दिनशा वाचा

U.P. P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. निम्नलिखित में से किस नेता ने 1906 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता की थी?

(a) बाल गंगाधर तिलक (b) गोपाल कृष्ण गोखले
(c) अरविंद घोष (d) दादाभाई नौरोजी

44th B.P.S.C. (Pre) 2000

उत्तर–(d)

वर्ष 1906 के कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में अध्यक्ष पद को लेकर पार्टी में विभाजन की नौबत आ गई थी, लेकिन दादाभाई नौरोजी के अध्यक्ष बनने से संभावित विभाजन उस समय टल गया। दादाभाई नौरोजी को लगभग सभी राष्ट्रवादी एक सच्चा देशभक्त मानते थे। राजनीतिक विचारों से दादाभाई पूर्ण राजभक्त थे। वह समझते थे कि भारत में अंग्रेजी राज्य से बहुत लाभ हुआ है और वह इस साहचर्य (Association) के सदा बने रहने में अभिरुचि रखते थे। राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में ही पहली बार दादाभाई ने स्वराज्य की मांग की।

5. कांग्रेस ने 'स्वराज' प्रस्ताव वर्ष 1905 में पारित किया। प्रस्ताव का उद्देश्य था–

(a) अपने लिए संविधान बनाने का अधिकार, परंतु ऐसा नहीं हुआ
(b) स्व-शासन सुनिश्चित करना
(c) उत्तरदायी सरकार
(d) स्वयं की सरकार

53rd to 55th B.P.S.C. (Pre) 2011

उत्तर–(*)

कांग्रेस ने 'सेल्फ रूल (स्व-शासन)' संबंधी प्रस्ताव पर सर्वप्रथम वर्ष 1905 में बनारस अधिवेशन में चर्चा हुई एवं वर्ष 1906 में कलकत्ता के अधिवेशन में स्वराज का प्रस्ताव पारित कर दिया गया। इस प्रस्ताव के साथ स्वदेशी, बहिष्कार तथा राष्ट्रीय शिक्षा संबंधी प्रस्ताव भी पारित किए गए।

6. स्वराज को बतौर राष्ट्रीय मांग के रूप में सर्वप्रथम रखा था–

(a) बी.जी. तिलक ने (b) सी.आर. दास ने
(c) दादाभाई नौरोजी ने (d) महात्मा गांधी ने

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2002

उत्तर–(c)

वर्ष 1906 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में कांग्रेस के मंच से स्वराज की मांग पहली बार करने का श्रेय दादाभाई नौरोजी को है।

7. कांग्रेस के मंच से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के किस अधिवेशन में प्रथम बार 'स्वराज' शब्द व्यक्त किया गया था?

(a) बनारस अधिवेशन, 1905 (b) कलकत्ता अधिवेशन, 1906
(c) सूरत अधिवेशन, 1907 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

U.P.P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर–(b)

Scanned with OKEN Scanner

कांग्रेस के मंच से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन, 1906 में प्रथम बार 'स्वराज' शब्द दादाभाई नौरोजी द्वारा व्यक्त किया गया था। दादाभाई नौरोजी ने 'स्वराज' शब्द की व्याख्या करते हुए इसे कलकत्ता अधिवेशन, 1906 में ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का लक्ष्य बताया था। प्रारंभ में उ.प्र. लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) माना था, परंतु संशोधित उत्तर-पत्रक में इस प्रश्न के उत्तर को निरस्त कर दिया गया। स्वराज शब्द को अभिव्यक्त करने की तिथियों में भिन्नता मिलती है। इसलिए उत्तर निरस्त कर दिया गया।

8. 'स्वराज' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया?

(a) बाल गंगाधर तिलक ने
(b) लाला लाजपत राय ने
(c) एस.सी. बोस ने
(d) महात्मा गांधी ने

U.P.R.O./A.R.O. (Mains) 2013

उत्तर—(a)

बाल गंगाधर तिलक का कथन था कि "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा।" हालांकि 'स्वराज' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग दयानंद सरस्वती ने किया था, किंतु दिए गए विकल्पों में तिलक ने ही पहली बार स्वराज की मांग का समर्थन किया।

9. दादाभाई नौरोजी आमतौर पर किस नाम से जाने जाते थे?

(a) पंजाब केसरी (b) गुजरात रत्न
(c) गुरुदेव (d) ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया

U.P. P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर—(d)

दादाभाई नौरोजी को लोग श्रद्धा से 'भारत के वयोवृद्ध नेता' (Grand Old Man of India) के नाम से स्मरण करते हैं। 1892 ई. में वे पहले भारतीय थे, जो उदारवादी दल की ओर से फिंसबरी से ब्रिटिश संसद के सदस्य चुने गए। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1886 ई., 1893 ई. और वर्ष 1906 में अध्यक्ष भी रहे। सी.वाई. चिंतामणि ने दादाभाई नौरोजी के विषय में कहा था कि "भारत के सार्वजनिक जीवन को अनेक बुद्धिमान और निःस्वार्थ नेताओं ने सुशोभित किया है, परंतु हमारे युग में कोई भी दादाभाई नौरोजी जैसा नहीं था।" दूसरी ओर गोखले ने कहा था—"यदि मनुष्य में कहीं देवत्व है, तो वह दादाभाई में है।"

10. भारत में 'ग्रैंड ओल्ड मैन' की संज्ञा किसे दी जाती है?

(a) दादाभाई नौरोजी (b) गोपाल कृष्ण गोखले
(c) रमेश चंद्र बनर्जी (d) सर सैयद अहमद खां

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007

उत्तर—(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. इनमें से किसे 'दि ग्रैंड ओल्ड मैन' के नाम से जाना जाता है?

(a) खान अब्दुल गफ्फार खां (b) डब्ल्यू.सी. बनर्जी
(c) दादाभाई नौरोजी (d) मोतीलाल नेहरू

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2014

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. निम्नलिखित में से कौन कथन दादाभाई नौरोजी के विषय में सत्य नहीं है?

(a) उन्होंने 'पॉवर्टी एंड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया' पुस्तक लिखी थी।
(b) उन्होंने गुजराती के प्रोफेसर के रूप में यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में कार्य किया था।
(c) उन्होंने बंबई में महिला शिक्षा की नींव रखी थी।
(d) वे ब्रिटिश पार्लियामेंट के सदस्य के रूप में अनुदारवादी पार्टी के टिकट पर चुने गए थे।

U.P. Lower Sub. (Pre) 2008

उत्तर—(d)

दादाभाई नौरोजी 1892 ई. में ब्रिटिश पार्लियामेंट के सदस्य के रूप में उदारवादी पार्टी (Liberal Party) के टिकट पर चुने गए थे। अतः कथन (d) सही नहीं है, अन्य तीनों कथन सत्य हैं।

13. दादाभाई नौरोजी के विषय में निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन असत्य है?

(a) वह पहले भारतीय थे, जो एलफिंस्टन कॉलेज, बंबई में गणित एवं भौतिकी के प्रोफेसर नियुक्त हुए थे।
(b) 1892 में उन्हें ब्रिटिश पार्लियामेंट का एक सदस्य निर्वाचित किया गया था।
(c) उन्होंने एक गुजराती पत्रिका, 'रास्त गोफ्तार' का आरंभ किया था।
(d) उन्होंने चार बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्षता की थी।

U.P.P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर—(d)

दादाभाई नौरोजी पहले भारतीय थे, जो एलफिंस्टन कॉलेज, बंबई में गणित एवं भौतिकी के प्रोफेसर नियुक्त हुए थे। 1892 से 1895 ई. तक ये उदारवादी दल से ब्रिटिश पार्लियामेंट के सदस्य रहे। इन्होंने एक गुजराती पत्रिका 'रास्त गोफ्तार' की शुरुआत 1851 ई. में की थी। दादाभाई नौरोजी ने 1886 ई., 1893 ई. तथा वर्ष 1906 में कुल तीन बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्षता की थी।

Scanned with OKEN Scanner

14. **ब्रिटिश पार्लियामेंट में चुना जाने वाला प्रथम भारतीय कौन था?**
(a) रास बिहारी बोस (b) सुरेंद्रनाथ बनर्जी
(c) दादाभाई नौरोजी (d) विट्ठलभाई पटेल
U.P.P.C.S. (Pre) 1992

उत्तर–(c)

दादाभाई नौरोजी (Grand Old Man of India) प्रथम भारतीय थे, जो 1892 ई. में उदारवादी दल की ओर से फिंसबरी से ब्रिटिश संसद के सदस्य चुने गए। अपने लंदन प्रवास (1855-69) के दौरान दादाभाई नौरोजी ने अंग्रेजों को भारतीयों की समस्याओं से अवगत कराने के उद्देश्य से–'लंदन इंडियन सोसाइटी' (1865) तथा 'ईस्ट इंडिया एसोसिएशन' (1866) नामक संस्थाएं स्थापित की थीं।

15. **नरम दल और गरम दल के रूप में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का विभाजन किस अधिवेशन में हुआ?**
(a) बंबई (b) सूरत
(c) इलाहाबाद (d) लाहौर
U.P.P.C.S. (Pre) 1990

उत्तर–(b)

वर्ष 1907 में सूरत में आयोजित कांग्रेस के 23वें वार्षिक अधिवेशन में उदारवादियों और उग्रवादियों में अध्यक्ष पद को लेकर कांग्रेस का विभाजन हो गया। उग्रपंथी जहां लाला लाजपत राय को अध्यक्ष बनाना चाहते थे, वहीं उदारवादी रास बिहारी घोष को अध्यक्ष बनाना चाहते थे। अंततः रास बिहारी घोष अध्यक्ष बनने में सफल हुए। सम्मेलन में उग्रवादियों द्वारा वर्ष 1906 में पास करवाए गए प्रस्ताव–स्वदेशी, बहिष्कार, राष्ट्रीय शिक्षा और स्वशासन के प्रयोग को लेकर विवाद और गहरा हो गया और अंततः दोनों पक्षों में खुले संघर्ष के बाद कांग्रेस में पहला विभाजन हो गया।

16. **भारतीय कांग्रेस कहां पर उदारवादियों एवं उग्रवादियों दो भागों में विभाजित हो गई?**
(a) सूरत अधिवेशन, 1907 (b) लाहौर अधिवेशन, 1909
(c) कलकत्ता अधिवेशन, 1911 (d) कराची अधिवेशन, 1913
U.P.P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. **1907 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सूरत के वार्षिक अधिवेशन के अध्यक्ष थे–**
(a) दादाभाई नौरोजी (b) बाल गंगाधर तिलक
(c) गोपाल कृष्ण गोखले (d) आर.बी. घोष
U.P.U.D.A./L.D.A. (Pre) 2010
U.P.P.C.S. (Mains) 2007

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वर्ष 1906 में विख्यात कलकत्ता अधिवेशन में चार संकल्प पारित किए गए थे। सूरत में 1907 में हुए कांग्रेस के अगले अधिवेशन में इन चारों संकल्पों को स्वीकार करने अथवा उन्हें अस्वीकृत करने के प्रश्न पर कांग्रेस में विभाजन हो गया था। निम्नलिखित में से कौन-सा एक संकल्प इन चारों संकल्पों में नहीं था?**
(a) बंगाल के विभाजन को रद्द करना (b) बहिष्कार (बॉयकॉट)
(c) राष्ट्रीय शिक्षा (d) स्वदेशी
I.A.S. (Pre) 2010

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

19. **बीसवीं सदी के प्रारंभिक वर्षों में कांग्रेस में विभाजन की प्रक्रिया शुरू हुई–**
(a) कांग्रेस आंदोलन की रणनीतियों पर
(b) कांग्रेस आंदोलन के उद्देश्यों पर
(c) कांग्रेस आंदोलन में लोगों की भागीदारी पर
(d) उपर्युक्त सभी
56th to 59th B.P.S.C. (Pre) 2015

उत्तर–(d)

बीसवीं सदी के प्रारंभिक वर्षों में कांग्रेस के विभाजन का एक प्रमुख कारण नरमपंथियों का अपने रणनीतियों, उद्देश्यों और आम जनता को अपने साथ रख पाने में असफल होना था। नरमपंथियों ने आम जनता के बीच काम नहीं किया। नरमपंथी राजनीति घटनाक्रमों के अनुरूप अपनी रणनीति में फेरबदल नहीं कर पाते थे। वे यह महसूस न कर सके कि उनकी उपलब्धियों ने ही उनकी राजनीति को अव्यवहारिक बना दिया। नरमपंथी और गरमपंथी के सोच और अनुमान पारस्परिक मतभेद के दृष्टिकोण और राष्ट्रवादी दृष्टिकोण दोनों से ही गलत थे। नरमपंथी यह समझ नहीं पाए कि सरकार गरमपंथियों के भय के कारण ही उनसे बातचीत कर रही है और गरमपंथी यह नहीं समझ पाए कि उनके संघर्ष में नरमपंथी उनके लिए कवच का काम कर सकते हैं। फलस्वरूप वर्ष 1907 के सूरत अधिवेशन में कांग्रेस का विभाजन हो गया।

20. **निम्न कथनों को पढ़कर सही विकल्प चुनें -**
कथन-I : 1907 में कांग्रेस वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता रास बिहारी घोष ने की थी।
कथन-II : इस अधिवेशन में कांग्रेस दो गुटों (चरम पंथी एवं नरम पंथी) में विभाजित हो गई।
कथन-III : 1916 में वार्षिक अधिवेशन में कांग्रेस के दो गुट, चरम पंथी और नरम पंथी का विलय हो गया। इस अधिवेशन की अध्यक्षता एस.पी. सिन्हा ने की।

Scanned with OKEN Scanner

(a) कथन- I, II, III सभी सही हैं।
(b) कथन- I, II, III सभी गलत हैं।
(c) कथन- I, II सही हैं, किंतु कथन- III गलत है।
(d) कथन- I, II गलत हैं, किंतु कथन- III सही है।

Chhattisgarh P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर-(c)

1907 में कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन की अध्यक्षता रास बिहारी घोष ने की थी। 1907 के कांग्रेस के सूरत अधिवेशन में कांग्रेस चरमपंथी एवं नरमपंथी गुट में विभाजित हुई। 1916 के कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन (लखनऊ अधिवेशन) में नरमपंथी एवं चरमपंथी एक हो गए। इस अधिवेशन की अध्यक्षता अंबिका चरण मजूमदार ने की।

21. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में 'सूरत की फूट' हुई थी–

(a) 1905 में (b) 1906 में
(c) 1907 में (d) 1908 में

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2003

उत्तर–(c)

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सूरत फूट वर्ष 1907 में कांग्रेस के सूरत अधिवेशन में हुई थी, जिसमें कांग्रेस नरमपंथी और गरमपंथी दो अलग-अलग गुटों में विभक्त हो गई। सूरत अधिवेशन ताप्ती नदी के किनारे हुआ था। सूरत के विभाजन में गरम दल का नेतृत्व बाल गंगाधर तिलक ने किया था।

22. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम विभाजन कब हुआ?

(a) 1907 (b) 1906
(c) 1969 (d) 1911

U.P.P.C.S. (Pre) 1991

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

23. सूरत विभाजन का नेतृत्व किया था–

(a) ह्यूम ने (b) डफरिन
(c) तिलक ने (d) गांधीजी ने

Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2002

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. वर्ष 1907 में सूरत में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विभाजन का मुख्य कारण क्या था?

(a) लॉर्ड मिंटो द्वारा भारतीय राजनीति में सांप्रदायिकता का प्रवेश कराना
(b) अंग्रेजी सरकार के साथ नरमपंथियों की वार्ता करने की क्षमता के बारे में चरमपंथियों में विश्वास का अभाव
(c) मुस्लिम लीग की स्थापना
(d) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष निर्वाचित हो सकने में अरविंद घोष की असमर्थता

I.A.S. (Pre) 2016

उत्तर–(b)

वर्ष 1907 में सूरत में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विभाजन का मुख्य कारण था, अंग्रेजी सरकार के साथ नरमपंथियों की वार्ता करने की क्षमता के बारे में चरमपंथियों में विश्वास का अभाव। सूरत अधिवेशन में चरमपंथी लाला लाजपत राय को अध्यक्ष बनाना चाहते थे, जबकि उदारवादी रास बिहारी घोष को अध्यक्ष बनाने के पक्षधर थे। अंततः रास बिहारी घोष अध्यक्ष बनने में सफल हुए।

मुस्लिम लीग का गठन (1906)

नोट्स

***अक्टूबर, 1906** में **आगा खां** के नेतृत्व में मुस्लिमों के शिमला प्रतिनिधिमंडल ने एक ऐसी केंद्रीय मुस्लिम सभा बनाने का विचार किया, जिसका उद्देश्य मुसलमानों के हितों का संरक्षण हो। * इसी विचारण के अनुरूप ढाका में संपन्न अखिल भारतीय मुस्लिम शैक्षिक सम्मेलन (All India Mohammadan Educational Conference) के दौरान **दिसंबर, 1906** में इस सम्मेलन के स्वागत समिति के अध्यक्ष तथा राजनीतिक बैठकों के संयोजक ढाका के नवाब **सलीमुल्लाह खान** ने **अखिल भारतीय मुस्लिम लीग** के गठन का प्रस्ताव किया। वकार-उल-मुल्क इसके अध्यक्ष थे। * 56 सदस्यीय अस्थायी समिति का चयन किया गया और **मोहसिन-उल-मुल्क** तथा **वकार-उल-मुल्क** को संयुक्त रूप से **संगठन का सचिव नियुक्त** किया गया। * **लखनऊ में मुस्लिम लीग का मुख्यालय** बनाया गया और **आगा खां इसके प्रथम अध्यक्ष** बनाए गए। * इस संगठन के तीन उद्देश्य थे–(1) ब्रिटिश सरकार के प्रति मुसलमानों में निष्ठा बढ़ाना, (2) लीग के अन्य उद्देश्यों को बिना दुष्प्रभावित किए अन्य संप्रदायों के प्रति कटुता की भावना को बढ़ने से रोकना, (3) मुसलमानों के राजनीतिक अधिकारों की रक्षा और उनका विस्तार करना। ***वर्ष 1907 में** मुस्लिम लीग का **वार्षिक अधिवेशन कराची** में तथा वर्ष **1908 में अमृतसर** में हुआ था। इसी अधिवेशन में मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल की मांग की गई, जो इन्हें वर्ष 1909 के मार्ले-मिंटो सुधारों के द्वारा प्रदान कर दिया गया। ***वर्ष 1908 में लंदन में** इसकी **एक शाखा सैयद अमीर अली ने स्थापित** की थी।

Scanned with OKEN Scanner